Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

25 मार्च 2026

वर्ष - 03, अंक - 47 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 99,735 Silver 97,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

किसान ही देश के भाग्य विधाता हैं, उनकी समृद्धि ही है हमारा संकल्प : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सभी क्षेत्रों में निरन्तर आगे बढ़ रहा है। दुनिया का कोई ऐसा देश नहीं, जहां संकट आया और प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल से भारतीय नागरिकों की घर वापसी सुनिश्चित न की गई हो। मध्यप्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को दतिया जिले में आयोजित राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्री बलराम को नमन करते हुए कहा कि किसान ही हमारे देश के भाग्य विधाता हैं। वे सूरज की तपती गर्मी में अपने परिश्रम से सभी के लिए अन्न उगाते हैं। कृषक कल्याण वर्ष में राज्य सरकार किसानों की समृद्धि के लिए संकल्पित है। प्रदेश के किसान आधुनिक कृषि यंत्रों से खेती करें, पशुपालन, मत्स्य पालन और कृषि आधारित उद्योग शुरू कर खाद्य प्र-संस्करण से अपनी आय दोगुनी करें। इसके लिए अनेक योजनाओं की सौगात दी जा रही है। अब हमारे किसान नरवाई प्रबंधन के लिए मशीनों से भूसा भी बना रहे हैं, जिससे उन्हें गेहूं और भूसा, दोनों से कमाई का सुनहरा मौका मिला है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश बहुत जल्द देश का नंबर-1 राज्य बनेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान सम्मेलन में दतिया को 62.23 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 62.23 करोड़ लागत के 12 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। इसमें भव्य सांदीपनि विद्यालय, दैवीय स्थल रतनगढ़ में यात्री निवास, स्टेडियम सहित अन्य विकास कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में हितग्राहियों को कृषि यंत्र, पशुपालन, खाद्य प्र-संस्करण के लिए हितलाभ भी वितरित किए।

अब शहर से होकर गुजरेगी नीमच-बांसवाड़ा-दाहोद रेल लाइन, रेल मंत्री ने दी मंजूरी

नई दिल्ली/प्रतापगढ़। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के निवासियों के लिए एक ऐतिहासिक खुशखबरी सामने आई है। केंद्र सरकार ने बहुप्रतीक्षित नीमच-बांसवाड़ा-दाहोद नई रेल लाइन के मार्ग में बड़ा बदलाव करते हुए इसे अब प्रतापगढ़ शहर से जोड़ने का निर्णय लिया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि कर दी है। चित्तौड़गढ़ सांसद सी.पी. जोशी द्वारा लगातार की जा रही मांग और उनके पत्र (दिनांक 09.03.2026) पर संज्ञान लेते हुए रेल मंत्रालय ने यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सांसद जोशी ने जनहित और क्षेत्र के विकास को देखते हुए इस नई रेल लाइन को प्रतापगढ़ शहर के मुख्य केंद्र से जोड़ने का आग्रह किया था।

रेल मंत्री का आधिकारिक पत्र - सांसद जोशी को लिखे अपने पत्र में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 'नीमच-बांसवाड़ा-दाहोद नई रेल लाइन का 'अलाइनमेंट सर्वे' वर्तमान में प्रगति पर है। इस बीच, पश्चिम रेलवे को स्पष्ट निर्देश दे दिए गए हैं कि इस नई रेल लाइन का अलाइनमेंट प्रतापगढ़ शहर से होकर ही निकाला जाए।' इस निर्णय से प्रतापगढ़ जिले की दशकों पुरानी रेल कनेक्टिविटी की मांग पूरी होने की राह आसान हो गई है। रेल लाइन के प्रतापगढ़ शहर से जुड़ने के कई बड़े फायदे होंगे। प्रतापगढ़ के कृषि और स्थानीय व्यापार को नए बाजार मिलेंगे। मध्य प्रदेश (नीमच) और गुजरात (दाहोद) के साथ सीधा जुड़ाव होने से आवागमन सुगम होगा। शहर से रेल लाइन गुजरने के कारण औद्योगिक इकाइयों और रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा। क्षेत्र के धार्मिक और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान होगी।

सर्वे का काम तेज - रेल मंत्रालय के निर्देशों के बाद अब पश्चिम रेलवे नए सिरे से अलाइनमेंट की रूपरेखा तैयार कर रहा है। अलाइनमेंट सर्वे पूरा होते ही परियोजना के अगले चरणों यानी भूमि अधिग्रहण और निर्माण कार्यों की प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है। इस घोषणा के बाद प्रतापगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में खुशी की लहर है। स्थानीय लोगों ने इसे जिले के भविष्य के लिए एक 'गेम-चेंजर' कदम बताया है।

सीएम डॉ. मोहन यादव से मिले नीमच के युवा समाजसेवी अरूल अशोक अरोरा गंगानगर

नीमच। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से नीमच के युवा समाजसेवी अरूल अशोक अरोरा गंगानगर ने शनिवार को सौजन्य भेंट की है।

जयपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भाग लिया। राजस्थान के उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में निवेश करने एवं उद्योग स्थापित करने के लिए सीएम ने इन्वेस्टमीट को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में नीमच के युवा समाजसेवी अरूल अरोरा गंगानगर ने भी हिस्सा लिया। यह कार्रवाई आईटीसी राजपूताना होटल जयपुर में आयोजित हुआ था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्वागत किया गया और चर्चा की गई।

मध्यप्रदेश सरकार उद्योगों को बढावा दे रही है - राजस्थान के जयपुर में आयोजित इन्वेस्ट मीट में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में सरकार उद्योगों को बढावा दे रही है। राजस्थान के उद्योगपति मध्यप्रदेश में किसी भी प्रकार का उद्योग स्थापित करना चाहते है तो सरकार हर तरह से उनकी मदद करेगी। जगह से लेकर अन्य सुविधाएं मुहैय्या करवाएगी।

नपा का चला बुलडोजर, 10 से अधिक गुमटियां हटाई

कलेक्टर कार्यालय से न्यायालय भवन तक चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, सड़क और यातायात हुआ सुगम

नीमच 24 मार्च (निप्र)। नगर पालिका ने सोमवार 23 मार्च को अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कलेक्टर कार्यालय से नवीन जिला न्यायालय भवन तक सड़क किनारे लगी 10 से अधिक गुमटियों को हटाया। कार्रवाई से निर्माणाधीन शहरी हाईवे और यातायात में आ रही बाधा को दूर किया गया। तहसीलदार अजेंद्रनाथ प्रजापति के नेतृत्व में नगर पालिका की टीम जेसीबी, ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य संसाधनों के साथ मौके पर पहुंची। यहां सड़क किनारे अनधिकृत रूप से रखी गुमटियों को जेसीबी की मदद से हटाकर ट्रैक्टर-ट्रॉली से पुराने नगर पालिका परिसर पहुंचाया गया। कार्रवाई के दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी दुर्गा बामनिया के मार्गदर्शन में राजस्व प्रभारी टेकचंद बुनकर, सहायक राजस्व निरीक्षक महावीर जैन, हेमंत सिसोदिया, तेज प्रकाश चोपड़ा और योगेश टांकवाल सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

पेंशनर्स आज काली पट्टी बांध करेंगे विरोध

आठवें वेतन आयोग से वंचित रखने के विरोध में ज्ञापन सौंपने की तैयारी

नीमच, 24 मार्च (निप्र)। केंद्र सरकार की पेंशनर विरोधी नीतियों के खिलाफ 25 मार्च 2026 को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इसी क्रम में मध्य प्रदेश के सभी जिलों में भी पेंशनर्स काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन करेंगे। प्रांतीय अध्यक्ष श्याम जोशी के नेतृत्व में यह आंदोलन आयोजित होगा। नीमच में पेंशनर्स दोपहर 1 बजे जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपेंगे। पेंशनर्स का आरोप है कि 25 मार्च 2025 को लागू किए गए निर्णय में आठवें वेतन आयोग से पेंशनर्स को वंचित रखा गया है, जो उनके हितों के खिलाफ है। जिला स्तर पर इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए शम्भूलाल बगाड़ा, सी.के. शर्मा, वासुदेव ऐरन, घनश्याम नीमा, घीसालाल धाकड़, श्रीपाल जैन, मांगीलाल जैन, भोपाल सिंह राठौर, श्याम सुंदर बैरागी, श्याम सुंदर अग्रवाल और सूरजमल आर्य सहित विभिन्न पदाधिकारियों ने सामूहिक सहभागिता का आह्वान किया है।

OBC युवाओं को मिलेगी फ्री ट्रेनिंग

भोपाल 24 मार्च (एजेंसी)। सेना, अर्द्ध सैनिक बल, पुलिस, होमगार्ड और निजी सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती के इच्छुक अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के 12वीं पास युवक-युवतियों को सरकार प्रशिक्षण दिलाएगी। इसके लिए शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना लागू होगी। इसमें प्रतिवर्ष चार हजार युवक-युवतियों को 45 दिन का प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। यह पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। यह निर्णय सोमवार को मंत्रालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में लिया गया।

10 संभागों के 40 केंद्रों पर ट्रेनिंगः मिलेगी शिष्यवृत्ति और आवास की सुविधा - सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप ने बताया कि प्रशिक्षण प्रदेश के 10 संभागीय मुख्यालय के 40 केंद्रों पर दिलाया जाएगा। यह शारीरिक और सैद्धांतिक होगा। उन युवक-युवतियों को ही चयनित किया जाएगा, जो सामान्य शारीरिक दक्षता पूरी करते होंगे। प्रशिक्षण अवधि में आवास, भोजन और अध्ययन सामग्री की सुविधा पूरी तरह से निःशुल्क रहेगी। प्रशिक्षण अवधि में युवतियों को 1100 और युवकों को 1000 रुपये प्रतिमाह शिष्यवृत्ति भी दी जाएगी। युवतियों के लिए प्रशिक्षण में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान भी रहेगा। इस योजना पर प्रतिवर्ष पांच करोड़ का व्यय आएगा।

'सिस्टम' से हारा संजय : फंदे से पहले सोशल मीडिया पर छोड़ा मौतनामा, पत्नी-ससुराल और पुलिस पर लगाए संगीन आरोप

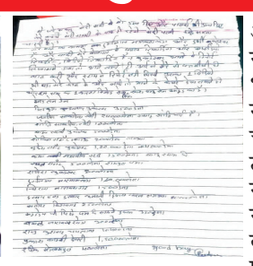

नीमच 24 मार्च (निप्र)। जिले के ग्राम चपलाना में 30 वर्षीय संजय कुशवाह की आत्महत्या ने सिर्फ एक परिवार नहीं, पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। संजय ने सोमवार सुबह अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी, लेकिन मरने से पहले वह खामोश नहीं रहा। उसने एक विस्तृत सुसाइड नोट सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, उसे अपनी व्हाट्सएप डीपी पर लगाया और साफ शब्दों में बता गया कि आखिर उसे मौत की दहलीज तक किसने पहुंचाया। नोट में उसने पत्नी, ससुराल पक्ष के लोगों और कुकड़ेश्वर पुलिस पर प्रताड़ना, उपेक्षा और मानसिक दबाव के गंभीर आरोप लगाए हैं। अब यह मामला सिर्फ आत्महत्या का नहीं, बल्कि कथित पारिवारिक प्रताड़ना और पुलिस की संवेदनहीनता के आरोपों का बन गया है।

संजय कुशवाह मिस्त्री का काम करता था और मेहनत-मजदूरी कर परिवार चला रहा था। सुसाइड नोट में उसने जो सबसे दर्दनाक बात लिखी, वह उसके बच्चों को लेकर थी। उसने लिखा कि उसके बच्चे उसकी मां के पास रहेंगे, क्योंकि उसकी पत्नी उन्हें मारना चाहती है। एक पिता अपनी मौत से पहले अपने तीन मासूम बच्चों की सुरक्षा को लेकर डर जता रहा था, यह बात पूरे मामले को और ज्यादा गंभीर बना देती है। जानकारी के अनुसार, उसके तीन बच्चे हैं, जिनमें 7 और 5 साल की दो बेटियां और 3 साल का एक बेटा शामिल है। समाजजनों के मुताबिक, कुछ दिन पहले ही वह पत्नी को ससुराल छोड़कर आया था और वहां भी विवाद हुआ था। इसके बाद से वह तनाव में था। सवाल यह है कि जब एक व्यक्ति खुलकर डर जता रहा था, तब क्या किसी ने उसकी बात गंभीरता से सुनी ?

सुसाइड नोट में संजय ने अपनी मौत के लिए नारायणखेड़ा निवासी दुर्गालाल और कुकड़ेश्वर निवासी दुर्गीबाई को सीधे जिम्मेदार ठहराया है। उसने पत्नी पर भी गंभीर प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। इसके अलावा उसने विनोद सेन नाम के एक व्यक्ति का भी जिक्र किया है। नोट से साफ है कि संजय खुद को चारों तरफ से घिरा और टूटा हुआ महसूस कर रहा था। उसने सिर्फ नाम नहीं लिखे, बल्कि यह भी दावा किया कि उसके पास पूरे मामले से जुड़े सबूत मोबाइल में सुरक्षित हैं। यानी मरने से पहले वह आरोप छोड़कर नहीं गया, बल्कि अपने पीछे ऐसे डिजिटल संकेत छोड़ गया है, जो जांच की दिशा बदल सकते हैं।

मामले का सबसे विस्फोटक पहलू कुकड़ेश्वर पुलिस पर लगाया गया आरोप है। संजय ने नोट में लिखा कि जब वह शिकायत लेकर थाने पहुंचा, तो टीआई ने उससे बदतमीजी की और स्टाफ ने रिपोर्ट ही दर्ज नहीं की। उसने यह भी लिखा कि थाने में हुई घटना का वीडियो उसके मोबाइल में है और कमरे के सीसीटीवी फुटेज भी इसकी पुष्टि कर सकते हैं। अगर यह दावा जांच में सही निकलता है, तो सवाल सीधा है— क्या एक परेशान युवक मदद मांगने थाने पहुंचा था और उसे राहत देने के बजाय अपमानित कर लौटा दिया गया? क्या सिस्टम ने उसकी बात सुनने के बजाय उसे अकेला छोड़ दिया? अगर किसी पीड़ित की शिकायत तक दर्ज नहीं होती, तो फिर कानून का दरवाजा आम आदमी के लिए खुला कहां रह जाता है?

कुकड़ेश्वर थाना प्रभारी भीम सिंह सिसोदिया ने कहा है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। उनके अनुसार, संजय अपनी पत्नी से तलाक चाहता था, लेकिन कानूनी प्रक्रिया के बिना तलाक नहीं कराया जा सकता था, इसलिए उसे समझाइश दी गई थी।

पुलिस का यह पक्ष अपनी जगह है, लेकिन अब असली सवाल यही है कि क्या सिर्फ "समझाइश" देकर जिम्मेदारी खत्म हो जाती है? यदि कोई व्यक्ति पारिवारिक प्रताड़ना, बच्चों की सुरक्षा और मानसिक दबाव की बात कर रहा था, तो क्या उसकी शिकायत को गंभीरता से लेकर आवश्यक कानूनी और मानवीय कदम नहीं उठाए जाने चाहिए थे? फिलहाल पुलिस वायरल सुसाइड नोट, मोबाइल में मौजूद कथित वीडियो-ऑडियो रिकॉर्डिंग, पारिवारिक विवाद और शिकायत से जुड़े दावों की जांच कर रही है।

भा.वि.प. सुभाष शाखा की नई टीम निर्विरोध चुनी गई

नीमच 24 मार्च (निप्र)। भारत विकास परिषद की सुभाष शाखा द्वारा सत्र 2026-27 के लिए नवीन पदाधिकारियों के चयन हेतु साधारण सभा एवं होली मिलन समारोह का आयोजन शहर स्थित शिक्षक शासकीय भवन (डीपी ज्वेलर्स के सामने) में उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में संगठनात्मक एकता और आपसी सौहार्द का वातावरण देखने को मिला। निर्वाचन प्रक्रिया शाखा अध्यक्ष ललित कुमार राठी, पर्यवेक्षक मनोज मेहता, शाखा पालक अजय शर्मा तथा प्रांतीय पदाधिकारी प्रदीप चोपड़ा और सुनील सिंहल की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। सर्वसम्मति से सत्र 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें मनीष गर्ग को अध्यक्ष, प्रमोद मालू को सचिव, अशोक सोनी को कोषाध्यक्ष तथा श्रीमती संध्या राठी को महिला प्रकोष्ठ प्रमुख पद पर निर्विरोध चुना गया। नव-निर्वाचित पदाधिकारियों के चयन पर उपस्थित सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर होली मिलन समारोह भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जिसमें प्रेम, भाईचारे और संगठनात्मक मजबूती का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंत में शाखा अध्यक्ष ललित कुमार राठी ने सभी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए गत वर्ष में किए गए सेवा कार्यों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का सफल संचालन उमेश शर्मा द्वारा किया गया।

नीमच में उच्च शिक्षा को लगे नए पंख....

विधायक परिहार के प्रयासों से मिली 2.83 करोड़ की सौगात

नीमच 22 मार्च (निप्र)। क्षेत्र में उच्च शिक्षा के विकास को एक नई गति देते हुए विधायक दिलीपसिंह परिहार के प्रयासों से स्वामी विवेकानंद कॉलेज, नीमच को 2.83 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण सौगात प्राप्त हुई है। इस राशि से कॉलेज परिसर में दो आधुनिक सेमिनार हॉल, दो प्रयोगशालाएं एवं दो स्टाफ कक्षों का निर्माण किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिल सकेंगी।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए विधायक परिहार ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष विश्वदेव शर्मा की मांग पर विधायक परिहार ने विधानसभा सत्र के दौरान उच्च शिक्षा मंत्री से यह आग्रह भी किया कि कॉलेज में बी.एड, एम.सीए एवं एम.बीए जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम जल्द प्रारंभ किए जाएं, ताकि नीमच जिले के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए बाहर न जाना पड़े और वे अपने ही शहर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकें।

नीमच में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि पर कॉलेज के प्राचार्य प्रशांत मिश्रा, समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं को विधायक श्री परिहार ने हार्दिक बधाई देते हुए निर्माण कार्य का भूमि पूजन शीघ्र कर इसे विद्यार्थियों को समर्पित किए जाने की बात कही है।

सिंधी समाज ने मनाई अमर शहीद हेमू कालाणी की जन्म जयंती

नीमच 24 मार्च (निप्र)। पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वावधान में प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी समस्त सिंधी समाज सोमवार, 23 मार्च को स्थानीय सिंधी कॉलोनी स्थित अमर शहीद हेमू कालाणी चौराहे पर प्रातः 08:30 बजे हर्षोल्लास से वीर सपूत अमर शहीद हेमू कालाणी की जन्म जयंती मनाई गई। सर्वप्रथम पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष मुखी ईश्वर आहूजा, महासचिव महेश वर्धानी ने शहीद श्री हेमू कालाणी की प्रतिमा पर पुष्प माल्यार्पण किया, तदोपरांत उपस्थित सभी समाजजनों ने श्री हेमू कालाणी को पुष्पांजलि अर्पित की। तत्पश्चात समाज के नन्हे बालक मां. रियांश आहूजा ने शहीद हेमू कालाणी का स्वांग रचा जो आकर्षक का केंद्र रहा, वहीं कु. कशिश तनवानी ने शहीद हेमू कालाणी के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला। दोनों बच्चों को पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष मुखी ईश्वर आहूजा एवं संरक्षक मनोहर अर्जनानी ने पुरुस्कार से सम्मानित किया। नपा राजस्व सभापति एवं सिंधी कॉलोनी, वार्ड 26 के पार्षद मनोहर मोटवानी, CRPF रिटायर्ड श्री संतवानी एवं पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष श्री आहूजा ने अमर शहीद हेमू कालाणी के वृतांत पर अपना उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन महासचिव महेश वर्धानी ने किया एवं आभार सहसचिव किशन अंदानी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम अंत में सभी का स्वल्पाहार किया। इस अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत के सह सचिव राजेश सोनी, उपाध्यक्ष विजय रोहिड़ा, कोषाध्यक्ष पूरण रामचंदानी, सह कोषाध्यक्ष गोपाल मूलचंदानी, चेतन चिंटू लोहाणा, चंद्रप्रकाश मोमु लालवानी, दिलीप लालवानी, भगवानदास प्रेमाणी, दीपक बुधवानी, राजेश प्रेमाणी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

नवरात्रिः आंतरिक ऊर्जा और आध्यात्मिक उत्थान का पर्व

योगेश कुमार गोयल

मां दुर्गा के ये नौ स्वरूप जीवन के नौ आयामों को प्रकाशित करते हैं और हमें अज्ञान से ज्ञान, भय से निर्भयता तथा दुर्बलता से सामर्थ्य की ओर ले जाते हैं। इस पावन पर्व पर प्रत्येक साधक अपने भीतर की शक्ति को पहचानकर जीवन को सकारात्मक दिशा देने का संकल्प ले सकता है।

शक्ति जागरण से आत्मविजय तक का दिव्य उत्सव नवरात्रि महापर्व का भारतीय समाज में विशेष महत्व है, जो आदि शक्ति दुर्गा की पूजा का पावन पर्व है। नवरात्रि के नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि की शुरूआत होती है और इस बार नवरात्रि पर्व की शुरूआत 19 मार्च से हो रही है, जिसका समापन 27 मार्च को होगा। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके।

मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात् तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया।

मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों

वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है।

चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुईं अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं।

दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है।

दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुईं। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है।

दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें ह्यशुभंकारीह्ल भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड्ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है।

नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली 'महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं।

नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं। नवरात्रि केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मशक्ति के जागरण का पर्व है, जो हमें संयम, साहस, तप और सदाचार का संदेश देता है। मां दुर्गा के ये नौ स्वरूप जीवन के नौ आयामों को प्रकाशित करते हैं और हमें अज्ञान से ज्ञान, भय से निर्भयता तथा दुर्बलता से सामर्थ्य की ओर ले जाते हैं। इस पावन पर्व पर प्रत्येक साधक अपने भीतर की शक्ति को पहचानकर जीवन को सकारात्मक दिशा देने का संकल्प ले सकता है।

संपादकीय

खनन पर हो मनन

सत्ताधीशों की इच्छा शक्ति की कमी और प्रवर्तन एजेंसियों की लापरवाही से खनन माफिया के हौसल बुलंद हैं। कहीं न कहीं नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में हैं। पंजाब के रोपड़ जिले की शिवालिक पहाड़ियों में हो रही तबाही उस भयावह स्थिति को दशार्ती है, जिसका खमियाजा आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतना पड़ेगा। वजह साफ है कि अंधाधुंध खनन से शिवालिक पहाड़ियों के पारिस्थितिकीय तंत्र को भारी क्षति पहुंच रही है। जो हमें यह भी बताता है कि नीति और प्रवर्तन के बीच खाई में पर्यावरणीय अपराध कैसे और किस तेजी से पनपते हैं। प्रशासन की नाक के नीचे खुदाई करने वाली भारी मशीनों का खुलेआम प्रयोग अवैध खनन हेतु किया जा रहा है। इस पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र की पूरी पहाड़ियों को समतल किया जा रहा है। जो हमारे पर्यावरण के लिये एक गंभीर चुनौती है। यह क्षति शिवालिक पहाड़ियों के मूल पारिस्थितिक कार्यों मसलन भूजल पुनर्भरण, मृदा-स्थिरता और जैव-विविधता संरक्षण जैसे जीवन रक्षक लक्ष्यों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। दरअसल, यह शिवालिक पर्वतमाला भू-संरचना की दृष्टि से नयी बनी हुई है और स्वाभाविक रूप से अस्थिर है। निर्विवाद रूप से किसी भी स्थान पर होने वाली अनियंत्रित खुदाई से भूमि का कटाव बहुत तेजी से होता है। जिसके चलते वर्षा ऋतु और उसके बाद भूस्खलन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ती है। वहीं इन क्षेत्रों में गाद जमाव का संकट भी गहरा जाता है। कालांतर इसके चलते जल निकासी के पैटर्न में अप्रत्याशित बदलाव देखने में आता है। यह सर्वविदित है कि एक बार इन पहाड़ियों को अवैध रूप से काटकर समतल कर दिया जाता है तो उसके मूल स्वरूप को फिर प्राप्त कर पाना लगभग असंभव है। दूसरे शब्दों में कहें उस क्षेत्र विशेष का प्राकृतिक संरक्षण कवच हमेशा के लिए नष्ट हो जाता है। ऐसे में प्राकृतिक सुरक्षा को नष्ट करने वाला विकास कालांतर आपदा का कारक बन सकता है। दरअसल, यह ऐसा प्राकृतिक सुरक्षा तंत्र होता है जो निचले मैदानी इलाकों को बाढ़ और जल संकट से बचाता है। यह विडंबना ही कही जाएगी कि इस बाबत जवाबदेह अधिकारियों द्वारा दलील दी जाती रही है कि इस क्षेत्र में खनन की प्रक्रिया पर्यावरण संबंधी स्वीकृतियों के आधार पर की जाती रही है। साथ ही यह भी सफाई दी जाती है कि ऐसी स्वीकृतियों का उल्लंघन करने वालों पर जुमार्ना लगाया जाता है। लेकिन हकीकत तब उजागर हो जाती है जब स्थानीय लोग रात के समय होने वाले खनन कार्यों, निर्धारित सीमा से अधिक और बड़े पैमाने पर पहाड़ी इलाकों में कटाई होने के आरोप लगाते हैं। ऐसे में अधिकारियों की तमाम दलीलें खोखली ही साबित होती हैं। दरअसल,सवाल नियम-कानूनों की प्रभावकारिता का नहीं है बल्कि असली दिक्कत प्रवर्तन एजेंसियों की उदासीनता की है। जो वस्तु-स्थिति से अवगत होने के बावजूद इन आपराधिक कृत्यों के प्रति आंखें मूंदे रहती हैं। दरअसल, खनन कार्यों से जुड़े ठेकेदारों को आपराधिक तत्वों व राजनेताओं का संरक्षण भी एक बड़ी चुनौती है। इसमें दो राय नहीं है कि जब अवैध खनन के खिलाफ जमीनी स्तर पर निगरानी के बजाय महज कागजी कार्रवाई का सहारा लिया जाता है तो अवैध खनन को संबल मिलता है।

चिंतन-मनन

नित अभ्यास से दर्शन कर सकते हैं ईश्वर का

सभी शास्त्र कहते हैं कि बिना भगवान को प्राप्त किये मुक्ति नहीं मिल सकती है। इसलिए भगवान की तलाश के लिए कोई व्यक्ति मंदिर जाता है तो कोई मस्जिद, कोई गुरूद्वारा, तो कोई गिरजाघर। लेकिन इन सभी स्थानों में जड़ स्वरूप भगवान होता है। अर्थात ऐसा भगवान होता है जिसमें कोई चेतना नहीं होती है।

असल में भगवान की चेतना तो अपने भक्तों के साथ रहती है इसलिए मंदिर में हम जिस भगवान को देखते हैं वह मौन होकर एक ही अवस्था में दिखता है। जब हमारी चेतना यानी इन्द्रियां अपने आस-पास ईश्वर को महसूस करने लगती है तब हम जहां भी होते हैं वहीं ईश्वर प्रकट दिखाई देता है। उस समय भगवान को ढूंढने के लिए मंदिर या किसी तीर्थ में जाने की आवश्यकता नहीं होती है।

जब व्यक्ति इस अवस्था को प्राप्त कर लेता है तब व्यक्ति के साथ चल रही भगवान की चेतना व्यक्ति के मंदिर में प्रवेश करने पर मंदिर में मौजूद ईश्वर की प्रतिमा में समा जाती है और मूक बैठी मूर्ति बोलने लगती है। यह उसी प्रकार होता है जैसे मृत शरीर में आत्मा के प्रवेश करने पर शरीर में हलचल होने लगती है। शरीर की क्रियाएं शुरू हो जाती है।?

मंदिर में विराजमान मूर्ति वास्तव में एक मृत शरीर के समान है। मृत की पूजा करें अथवा न करें उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी श्रद्धा और भक्ति की अनुभूति वही कर सकता है जिसमें चेतना हो प्राण हो। इसलिए तीर्थों में भटकने की बजाय जिस देवता की उपासना करनी हो उसे अपनी आत्मा से ध्यान करें उनकी आत्मा अर्थात परमात्मा से संपर्क करें, परमात्मा की पूजा करें तो, जो फल वर्षों मंदिर यात्रा से नहीं मिल सकता, वही फल कुछ पल के ध्यान से मिल सकता है।

नीमच में मोंगिया समाज का एसपी कार्यालय पर प्रदर्शन

डासिया हमले में कार्रवाई न करने का आरोप, 7 दिन का दिया अल्टीमेटम

नीमच । जिले के ग्राम डासिया में आदिवासी परिवार पर हुए हमले के विरोध में मंगलवार को श्री मोंगिया गौड़ आदिवासी समाज सेवा संगठन ने एसपी कार्यालय का घेराव किया। समाज के लोगों ने पुलिस पर आरोपियों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

खेत विवाद से शुरू हुआ मामला - जानकारी के अनुसार, 26 फरवरी को प्रेमसिंह मोंगिया के खेत में हरे चने उखाड़ने का विरोध करने पर उनकी बेटी नीतू के साथ अभद्रता की गई। आरोप है कि इस दौरान जातिगत गाली-गलौज और मारपीट भी की गई। पीड़िता ने उसी दिन थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप - समाजजनों का

आरोप है कि शिकायत के बाद भी पुलिस ने ठोस कार्रवाई नहीं की, बल्कि पीड़िता पर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया। इससे आरोपियों के हौसले बढ़ गए।

बताया गया कि 15 मार्च को आरोपियों ने फिर से लाठी-डंडों और हथियारों के साथ पीड़ित परिवार के घर पर हमला किया। इस हमले में नीतू, उनके पिता प्रेमसिंह और मां मोहिनीबाई गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस पर गंभीर धाराएं न लगाने का आरोप - पीड़ित परिवार का कहना है कि पुलिस ने मामले को सामान्य मारपीट के रूप में दर्ज किया और एससी-एसटी एक्ट की धाराएं नहीं लगाईं। साथ ही परिवार को लगातार धमकियां मिलने की बात भी सामने आई है।

सात दिन में कार्रवाई न होने पर आंदोलन की दी चेतावनी - समाज के प्रतिनिधियों ने किरण चौहान को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों की गिरफ्तारी, संबंधित थाना प्रभारी के निलंबन और पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि सात दिनों में कार्रवाई नहीं हुई, तो जिलेभर में उग्र आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन के बाद समाजजन जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों से भी मिले।

नीमच-रतलाम-इंदौर के बीच समर ट्रेन चलाने की मांग

ट्रेन चलने से यात्रियों को होगी सुविधा

नीमच । ग्रीष्मकाल के दौरान बढ़ते यात्री दबाव को देखते हुए रतलाम-चंद्रावतीगंज मार्ग से नीमच से डॉ. अंबेडकर नगर (इंदौर) तक विशेष ग्रीष्मकालीन पैसेंजर ट्रेन चलाने की मांग उठी है। पश्चिम रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य दिलीप पाटनी ने महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे एवं रतलाम रेल मंडल प्रबंधक (डीआरएम) को पत्र लिखा है। मांग कि है कि ट्रेन चलने से डेली के यात्रियों के साथ अन्य यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रख यह पहल करे। पाटनी ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि रतलाम जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशन से चंद्रावतीगंज होते हुए इंदौर के लिए ग्रीष्मकाल में यात्रियों की संख्या में बढ़ती है। वर्तमान में संचालित डेमू ट्रेन सेवाएं इस बढ़ते दबाव के अनुरूप पर्याप्त नहीं हैं, जिससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। पाटनी ने सुझाव दिया कि नीमच से प्रातः काल विशेष ग्रीष्मकालीन पैसेंजर ट्रेन चलाई जाए। जो सुबह 7.30 बजे रतलाम व करीब 10 बजे 10 बजे इंदौर पहुंचे। वापसी में यह ट्रेन इंदौर से शाम करीब 6 बजे रवाना होकर चंद्रावतीगंज होते हुए रतलाम पहुंचे।

डेमू रैक की कमी - पाटनी ने यह भी बताया कि डेमू रैक की लंबे समय से कमी बनी हुई है, इसलिए इस प्रस्तावित विशेष ट्रेन का संचालन आईसीएफ कोच के माध्यम से किया जाना चाहिए। क्योंकि पश्चिम रेलवे के पास इन कोचों की पर्याप्त उपलब्धता है।

एसपी ने दो थानों के टीआई बदले :निलेश अवस्थी मनासा, सौरभ शर्मा कैंट के नए प्रभारी, एक लाइन अटैच

नीमच । पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल ने सोमवार रात प्रशासनिक फेरबदल किया है। इस आदेश के तहत जिले के दो थानों, नीमच केंट और मनासा, के थाना प्रभारियों (टीआई) के कार्यक्षेत्र बदले गए हैं। यह बदलाव कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से किया गया है।

पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार, नीमच केंट के टीआई निलेश अवस्थी को मनासा थाने का प्रभारी बनाया गया है। पुलिस लाइन में तैनात सौरभ शर्मा को नीमच केंट थाने का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। सौरभ शर्मा इससे पहले भी कैंट थाना प्रभारी रह चुके हैं।

इन्हें किया लाइन अटैच - मनासा के थाना प्रभारी शिव रघुवंशी को पुलिस लाइन संबद्ध किया गया है। इन आदेशों के बाद पुलिस महकमे में हलचल देखी जा रही है।

एसपी जायसवाल ने यह कदम आगामी प्रशासनिक चुनौतियों और कसावट के मद्देनजर उठाया है। इसके साथ ही माना जा रहा है कि पेंडिंग मामलों के निपटारे और बेहतर पुलिसिंग के लिए कप्तान ने यह नई जमावट की है।

जिला कार्यकारिणी का गठन, पदाधिकारियों का किया स्वागत

नीमच 24 मार्च (निप्र)। सारथी विश्वकर्मा समाज कल्याण सेवा समिति नीमच में संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष शंभू प्रसाद शर्मा के नेतृत्व में एवं प्रदेश महामंत्री राजेश विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में जिला कार्यकारिणी के गठन की घोषणा की गई। जिसमें अध्यक्ष - भोपराज शर्मा, उपाध्यक्ष - कुशल शर्मा युवामोर्चा, जिला महामंत्री - नितेश विश्वकर्मा, कोषाध्यक्ष - मोहन धीर , उप कोषाध्यक्ष - राहुल शर्मा शिवम मोटर्स, जिला संगठन मंत्री - जगदीश किन्जा, जिला मंत्री - मानक शर्मा, रवि धीर , जिला प्रवक्ता - शशिकांत दुबे, उपाध्यक्ष - गोपाल धीर, गोपाल कंजार्डा,संजय शर्मा पिंटू, कन्हैया लाल नेपतवार जावद, विधिक सलाहकार - कृष्णकांत शर्मा, जिला मिडिया प्रभारी - महेश सुतार , मार्गदर्शक मंडल में गोरधनलाल किन्जा, किशनलाल शर्मा, मांगीलाल जी करेल, घनश्याम शर्मा, जगदीश शर्मा नलखेड़ा दिलीप दुबे, संशय शर्मा कार्यकारिणी सदस्य - गोपाल भारभरदिया, अरविंद झाला,संदीप शर्मा,मोहनलाल शर्मा गुड्डू, ललित गा जवा, मोहन करेल, साथ ही मनासा, जावद ओर जीरन तहसील के अध्यक्ष क्रमश दशरथ शर्मा,सुरेश बलदेवा, हस्तीमल भरानिया के नामों की घोषणा की गई। जिसे कार्यक्रम में उपस्थित समाज जनों ने करतल ध्वनि से अपनी स्वीकृति की मुहर लगाई ।

संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष शंभूप्रसाद शर्मा, प्रदेश महामंत्री राजेश विश्वकर्मा, गोरधन लाल शर्मा, भोपराज शर्मा, दशरथ शर्मा मनासा, सुरेश बलदेवा, हरीश बलदेवा जा व द किशनलाल शर्मा, घनश्याम शर्मा, जगदीश किन्जा, अतिथि मनचासिन थे।इसके पूर्व अतिथियों द्वारा भगवान विश्व कर्मा जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया संचालन संगठन के जिला प्रवक्ता शशिकांत दुबे ने किया एवं दिनेश शर्मा द्वारा आभार प्रकट कर कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई।

दूध डेयरी और दुकानों से 11 सैंपल लिए, जांच कराने भोपाल लैब भेजे

तीन फर्मों पर छापा, गंदगी में बनती मिली चीजें

नीमच जिले में लोगों को शुद्ध खाने-पीने की चीजें मिल सकें, इसके लिए सोमवार को कार्रवाई की गई। खाद्य विभाग की टीम ने जीरन और चिताखेड़ा इलाकों में दबिश देकर दूध डेयरी और दुकानों से कई नमूने लिए। पूरी कार्रवाई के दौरान कुल 11 सैंपल इकट्ठा कर जांच के लिए भोपाल भेजे गए हैं।

अधिकारी राजू सोलंकी और यशवंत कुमार शर्मा की टीम सबसे पहले जीरन की 'श्री कृष्ण कन्हैया दूध डेयरी' पहुंची। वहां काफी गंदगी मिली और जरूरी कागजात भी नहीं थे, जिसके बाद दूध के 2 सैंपल लिए गए और डेयरी को नोटिस थमाया गया।

इसके बाद टीम ने 'शांभवी फूड्स' पर छापा मारकर घी, क्रीम और अलग-अलग तरह के तेलों के 5 नमूने लिए। वहां भी साफ-सफाई ठीक न होने पर सुधार के निर्देश दिए गए।

चिताखेड़ा में भी हुई जांच - कार्रवाई के अगले चरण में टीम चिताखेड़ा की 'शर्मा सेल्स एजेंसी' पहुंची। यहां से साबूदाना और तीन तरह की दालों (मसूर, मूंग, चना) के 4 नमूने लिए गए। सोमवार देर शाम इन सभी 11 सैंपलों को भोपाल की सरकारी लैब भेज दिया गया है। विभाग का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद सख्त कानूनी कदम उठाए जाएंगे और मिलावट रोकने के लिए यह अभियान जिले भर में जारी रहेगा।

शहीदी दिवस पर भाजपाइयों ने किया माल्यार्पण

नीमच । नीमच में शहीद दिवस पर सोमवार शाम भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी नगर के फारसी बावड़ी स्थित शहीद स्मारक पहुंचे। यहां उन्होंने प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर शहीदों के बलिदान को याद किया। इस दौरान विधायक दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि देश इन महान क्रांतिकारियों का ऋणी रहेगा, जिन्होंने कम उम्र में अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति दी। उन्होंने 23 मार्च के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसी दिन भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को लाहौर की जेल में फांसी दी गई थी। परिहार ने भगत सिंह के पंजाब में जन्म, अंग्रेजों के अत्याचारों के खिलाफ उनके शंखनाद और असेंबली में बम फेंकने की घटना का भी उल्लेख किया।

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

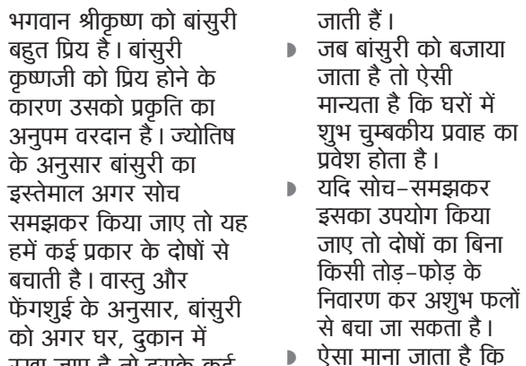

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक ग्रंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनुसरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरुम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडकर उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवरारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

गोमेद
एक खूबसूरत रत्न
जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अतः ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफ्रीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नमः मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं।

कौन ना पहने ये रत्न-जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

भादवामाता आस्था का केंद्र : चैत्र मास की नवरात्रि मेला में भक्तों सैलाब उमड़ा

भादवामाता 24 मार्च । मालवा-मेवाड़ की वेष्णौदेवीं के नाम से सुप्रसिद्ध-महामाया भादवामाता के चमत्कारी स्थल पर शक्तिं स्वरुपा माँभादवा जो अपने अलग अलग स्वरुप में प्रकट होकर भक्तों के समस्त दुख दूर करती है।इसी प्रकार से यहां चैत्र मास की नवरात्रि के चलते आज चौथे दिन भी रविवार के होने से भी कई कोस एवं दूरदराज से बड़ी ही आस्था लेकर आए भक्तों का सैलाब भी माँभादवा के दरबार में लगा हुआ है। यहां पर सुबह से शाम तक अनगिनत संख्या में हजारों की संख्या में श्रद्धालु माँ की चौखट पर अपना मत्था टेक कर सुखद एवं स्वस्थ्य जीवन बनाए रखने का लीया आर्शीवाद तो वही भक्त जन माँभादवा के स्थल पर सुबह शाम रोजाना नंगे नंगे पांव से पैदल चलकर आ रहे है। और कई भक्त तो चुनरी यात्रा भी लेकर इस पवित्र स्थल पर पहुंच रहे है। आगंतुक भक्तजन माँभादवा के जयकारो के साथ में कतारबद्ध होकर अलग अलग महिला-पुरुषों की लाईनों से होकर माँभादवा के दर्शन करके माँ से प्रार्थना कि सभी और क्षेत्र में सुखशांति एवं समृद्धि रखे। इसी प्रकार माँभादवा की भभूति व अमृत जल का सेवन करते है।

इस माँ के दरबार में सभी भक्तों की इच्छाएं पूर्ण करने वाली माँभादवा जो बड़े ही अलौकिक श्रृंगार के साथ में यहा चांदी के सिंहासन पर ध्यान मुद्रा में बिराजमान है। और यहां भादवा के दरबार में माँ की अखंड ज्यौति भी कई वर्षों से निरंतर जल रही है। यहां पर शासन प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं के लिए सुविधा दृष्टि को लेकर भी अति आवश्यक प्रकार से व्यवस्थाए की गई है। बस स्टेंड के समीप में टूव्हीलर/फोरव्हीलर वाहनों के लिए की गई है। संस्था प्रबंधक अजय ऐरन व पटवारी संयोग कुमार ने बताया कि परिसर में 25सीसीटीवी केमरे की व्यवस्था की गई।एवं हर प्रकार से सतत् मानिटरिंग मेला प्रशासन द्वारा की जा रही है।

इसी तरह श्रद्धालुओं के लिए मंदिर परिसर में 8 बाय 8 की स्क्रीन माँभादवा दर्शन व्यवस्था की इसी प्रकार बाहर मेन गेट पर भी स्क्रीन लगाई गई है। आगंतुक यात्रियों के लिए भी आवश्यक रुप से अन्नक्षैत्र में भोजन-प्रसादी व्यवस्था भी चल रही है।

ग्राम पंचायत सचिव महेंद्र गुर्जर और सरपंच मिठूबाई/नवलकृष्ण सुरावत ने बताया की आवश्यक रुप से यात्रियों के ठहरने के लिए भी डोम बनाया गया है। और मेला क्षेत्र में आवश्यक रुप से यहां पेयजल हेतु टेंकर व्यवस्था की गई व 5 प्याऊ भी लगाई गई। पंचायत क्षेत्र में 8 सीसीटीवी केंमरो की व्यवस्था की गई है। साथ ही यहां मेला क्षेत्र परिसर में 23/24/25 मार्च की रात्रि समय पर विशेष-भजन संध्या भी आयोजित की गई है। जिसमें राजस्थान के कलाकार व प्रसिद्ध जुनियर शंकर लक्खा व हेमलता वैष्णव और पूरण गुर्जर,मारे काली गाडी लाड़ी रे। इसी प्रकार यहां मेले का मुख्य आकर्षण जो

विशेष-महाअष्टमी हवन जो विधिवत रुप से माँभादवा के यज्ञ मंडप में विद्वान ब्राह्मण पंडितों के द्वारा और हवन में मुख्य यजमान ग्राम-पटेल निरंजन/ देवीलाल नागदा के द्वारा भी यहां पर विशेष-पूजाअर्चना के साथ 26मार्च गुरुवार की रात्रि समय में प्रारंभ होकर 4बजे ब्रह्मा मुहूर्त समय में यहां पूर्णाहुति होने के बाद महाआरती होगी। इस मेले में आवश्यक रुप से सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी अपनी अपनी सेवाएं दे रहे है। और यहां चैत्र नवरात्रि मेला भी सम्पन्न हो जाएगा।

16 लाख की एम.डी. ड्रग्स के साथ कोटा के दो तस्कर गिरफ्तार

नीमच । जिला पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे प्रदेश व्यापी नशाविरोधी अभियान के तहत सिंगोली थाना पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देशन और थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार वर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 23 मार्च 2026 की शाम ग्राम फुसरिया के पास नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध सिल्वर रंग की मारुति सुजुकी अर्टिगा कार (RJ17UA/6450) को घेराबंदी कर पकड़ा। कार सवार जुनैद अख्तर और दानिश उर्फ शानू, जो कि कोटा राजस्थान के निवासी हैं, ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया था। तलाशी लेने पर उनके पास से 160 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एम.डी. बरामद हुई जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग 16 लाख रुपये है। पुलिस ने ड्रग्स के साथ ही 8 लाख रुपये मूल्य की कार और दो एंड्रॉइड मोबाइल फोन सहित कुल 24 लाख 30 हजार रुपये का मशरूका जब्त किया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार कर नशीले पदार्थों के स्रोतों के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है।

कार्यालय ग्राम पंचायत मालखेड़ा

(जनपद नीमच जिला नीमच मप्र)

कमांक- /ग्रा.प./निर्माण/2026-28 दिनांक-25/03/2025

निविदा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत तारापुर द्वारा समस्त योजना अंतर्गत कराये जा रहे निर्माण कार्य हेतु वित्तिय वर्ष 2026-27 के लिए निर्माण कार्यों में लगने वाली सामग्री एवं मशिनरी हेतु निविदाएं आमंत्रित की जानी है, इच्छुक व्यक्ति, संस्था या फर्म 17/04/2026 तक दोप. 03 बजे तक निविदाएं ग्राम पंचायत कार्यालय भवन पर प्रस्तुत कर सकते है

सामग्री का नाम	A.D.P.) (P.V.C, C.P.V.C, GI,MS)
1. सौलिड कांक्रिट ब्लाट	16. मोटर 10HP+5HP
2. पेवर ब्लॉक	17 समरसीबल केबल
3. फर्शी	18. सरिया / एंगल/पार्टन/पाईप
4. ईट	19. दरवाजा, खिड़की, चेनल गेट, चेम्बर, आदि
5. गिट्टी 6, 12x20, 40	20. मिक्सर
6. सिमेन्ट	21. वाईब्रेटर
7. बड़ी रेत	22. सेंटिंग
8. बालू रेत	23. रोलर
9. मुरम भराव	24. टाईल्स / शीर्ट
10. टेंकर	25. सिमेन्ट पाईप
11. ट्रेक्टर	26. बद्दा / पत्थर
12. लेवलिंग मशीन	27. सीएफएल, बल्फ, स्ट्रीट लाईट
आदि सामग्री समय पर आवश्यकतानुसार	28. एलएडी
13. जेसीबी मशीन प्रतिघण्टा	29. कचरा पेटी
14. शेड/ चहर सिमेन्ट, टीन, मल्टी /	30. कचरा गाड़ी
15. पाईप (P.V.C, 63MM, 75MM, 90 MM,	31. नल, जल, पलम्बरिंग योजना साम्ही
	32. वेस्ट मटेरियल उठवाई ट्राली दर

नोट - 1. विस्तृत जानकारी के लिए ग्राम पंचायत तारापुर में सम्पर्क करें
2. निविदा संबंधी अंतिम निर्णय समयानुसार लेने का अधिकारी ग्राम पंचायत तारापुर को होगा!

सरपंच रोहित भील — सचिव लोकेश राठौर

आधा किलो अफीम के साथ पकड़ाया नीमच का इंजीनियरिंग स्टूडेंट

इंदौर। इंदौर के जुनी इंदौर थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 518 ग्राम अवैध अफीम बरामद की गई है, जिसकी कीमत करीब 80 हजार रुपए बताई जा रही है। इंदौर के जुनी इंदौर थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 518 ग्राम अवैध अफीम बरामद की गई है, जिसकी कीमत करीब 80 हजार रुपए बताई जा रही है।पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी गोविंद पाटीदार (20) है जो नीमच जिले का रहने वाला है और इंदौर में रहकर एसजीएसआईटीएस में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है। डीसीपी आंनद कलादगी ने बताया कि जांच में सामने आया है कि आरोपी अपने महंगे शौक और कर्ज चुकाने के लिए अफीम की तस्करी कर रहा था। वह अपने घर से किताबों के बैग में अफीम छुपाकर इंदौर लाया था, जिसे बेचने की फिराक में था।पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक जॉन्सन आईस फैक्ट्री के पास रेलवे पटरी किनारे संदिग्ध हालत में खड़ा है। सूचना मिलते ही टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से अफीम बरामद हुई।पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसके परिवार के लोग नीमच जिले में अफीम की खेती करते हैं। वहीं से वह अफीम लाकर इंदौर में बेचने का काम करता था।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सहित पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

सरकारी कुएं की मोटर तोड़ी, पाइप काटे, पूरे गांव की जल सप्लाई ठप

वाटरमैन को धमकी, ग्रामीणों ने कार्रवाई के लिए कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

नीमच 23 मार्च (निप्र)। ग्राम पंचायत जीरन के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोटड़ी इस्तमुरार में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां सरकारी पेयजल व्यवस्था को निशाना बनाकर भारी तोड़फोड़ की गई है। आरोपी अरुण सिंह पर आरोप है कि उसने सरकारी कुएं की मोटर तोड़कर उसे कुएं में फेंक दिया और पाइप काट दिए, जिससे पूरे गांव की जल आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। ग्रामीणों और पुलिस को दी गई जानकारी के अनुसार, आरोपी ने न केवल स्टार्टर चोरी किया बल्कि वाटर वाल्व के पास आग लगाकर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात वाटरमैन को भी जान से मारने की धमकी दी गई और कुएं में जहरीला पदार्थ डालने की चेतावनी दी गई, जिससे ग्रामीणों के बीच दहशत का माहौल व्याप्त हो गया है। हैरानी की बात यह है कि यह घटना 19 मार्च को घटित हुई थी और ग्रामीणों ने तत्काल हर्किंयाखाल चौकी में इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बावजूद, अब तक कोई ठोस कार्रवाई न होने से नाराज पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने सोमवार को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है। ग्राम पंचायत का कहना है कि आरोपी पूर्व में भी सरकारी जमीन और कुएं को अपनी निजी संपत्ति बताकर विवाद करता रहा है, लेकिन उचित दंडात्मक कार्रवाई के अभाव में उसके हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं।

पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि आरोपी के खिलाफ तत्काल कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। साथ ही, उन्होंने बंद पड़ी पेयजल व्यवस्था को जल्द से जल्द बहाल करने का आग्रह किया है ताकि ग्रामीणों को पानी की किल्लत से निजात मिल सके।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक कल

नीमच, 24 मार्च (निप्र)। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन के तहत जिला जल एवं स्वच्छता मिशन (डी. डब्ल्यू.एस.एम.) की बैठक 26 मार्च को प्रातः 10:30 बजे कलेक्ट्रेट सभागृह, नीमच में आयोजित की जाएगी। बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत निष्पादित कार्यों, वर्तमान में प्रगतिरत योजनाओं, जल निगम द्वारा क्रियान्वित योजनाओं तथा ग्रीष्म काल में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा की जाएगी। समिति के सचिव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री दीपेश वास्पत ने सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

आवश्यकता है
वर्कशॉप पर काम करने के लिए वेल्डर और फिटर की आवश्यकता है

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।